दिनांक 20 नवम्बर, 2017 को "Know Your Army" के अवसर पर माननीया राज्यपाल जी का अभिभाषण

मुझे आज अपने सैन्यकर्मियों द्वारा आयोजित की जा रही मेले **"Know Your Army"** के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है। इस मेले का आयोजन करना अत्यन्त ही सराहनीय है।

इस मेले के द्वारा जहाँ आम–जन हमारे वीर सैन्य कर्मियों द्वारा युद्व में प्रयोग में लाई जानेवाली हथियार यथा– टैंक, तोप, बन्दूक आदि के बारे में अवगत हो सकेंगे, वहीं सैनिकों के कार्यकलापों को भी जान सकेंगे। साथ ही अधिक–से–अधिक युवकों में सैन्य सेवा में जाने हेतु जिज्ञासा बढ़ेगी।

हमारे राष्ट्र के पूर्व प्रधानमंत्री स्व० लाल बहादुर शास्त्री का प्रसिद्ध नारा 'जय जवान, जय किसान' देश की सुरक्षा और समृद्धि का मूल मंत्र हैं। इससे ही समझ सकते हैं कि देश के लिए सेना और किसान की कितनी अहमियत है।...

... हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी ने बाद में जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान का नारा दिया।

देश की रक्षा की सबसे बड़ी जिम्मेदारी, हमारे शरहदों की रक्षा कर रहे वीर सैनिकों की है। उनके ही मजबूत कंधों पर हमारे देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता का भार टिका हुआ है। लेकिन ऐसा नहीं है कि हमारे सैनिक सिर्फ बाह्य तत्व का सामना करने तक ही सीमित है। कोई भी राष्ट्रीय विपदा यथा- भूकंप हो या बाढ़, उग्रवाद की चुनौती का सामना करना ही क्यों न पड़े, हमारे सैनिको ने प्रत्येक कार्य एवं दायित्व का मौका पड़ने पर बखूबी तरह से निर्वहन कया है। नागरिक सुरक्षा बहाल करने में हमारे जाबांज सैनिक कभी कोई कसर नहीं छोड़ते। वे दिन-रात एक कर, हर परिस्थिति में, हर चुनौतियों का सामना जरूरत पड़ने पर करते हैं।...

... हमारे देश की संप्रभुता और एकता की रक्षा के लिए बहुत से सैनिकों ने अपना तन–मन न्यौछावर कर दिया। मैं इस अवसर पर उन सभी वीर सैनिकों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ।

जहाँ तक झारखण्ड राज्य की बात है, यह वीर सैन्यकर्मियों की भूमि है। परमवीर चक्र विजेता अल्बर्ट एक्का और कारगिल की लड़ाई में नागेश्वर महतो एवं युगम्बर दीक्षित समेत अनेक शहीद इसका प्रमाण है, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति तक दे दी। राज्य के करोड़ों नागरिकों को उन पर गर्व है। हाल ही असम राईफल्स के जवान जयप्रकाश उराँव ने मणिपुर में उग्रवादियों के साथ भिंड़त से अदम्य साहस व अद्‌भुत शौर्य का परिचय दिया।...

... देश को नुकसान पहुँचाने की उग्रवादियों की तमाम कोशिशों को भी इस दौरान उन्होंने नाकाम कर दिया। झारखण्ड के इस लाल ने मणिपुर में उग्रवादियों से संघर्ष करते हुए, उन्हें करा जबाव दिया। जबकि उन्हें गोली लगी हुई थी, फिर भी उन्होंने इसकी परवाह किये बगैर दुश्मनों से मुकाबला जारी रखा। अन्ततः वे शहीद हो गये। इस राष्ट्र को ऐसे वीर सैनिकों पर गर्व है।

देश की सीमा और संप्रभुता की रक्षा के लिए लाखों सैनिक अपने घर–परिवार से दूर सीमा पर दुश्मनों से लोहा लेते हैं ओर दुश्मनों के हर हमले का करारा जवाब देने के लिए विषम और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी रोज ही मौत से ऑख–मिचौली खेला करते हैं। ये जवान अपने घर–परिवार से दूर शून्य से **40** डिग्री नीचे जमा देनेवाले बर्फ में या फिर थार की मरूभूमि में रेत के बवंडर और **55** डिग्री के झुलसाने वाले तापमान में भी बराबर ही दक्षता से अपने कर्त्तव्यों का निर्वाह करते हैं।...

... उन शहीदों और सैनिकों के बलिदान का ही यह नतीजा है कि हम एक संप्रभु राष्ट्र के, एक आजाद मुल्क के नागरिक कहलाते हैं, हम भरत के नागरिक स्वाधीन भारत की फिज़ाओं में सांस ले रहे हैं। जब कभी भी देश पर संकट मंडराया, हमारे वीर योद्धा सीना ताने आगे बढ़े और सरहदों की रक्षा की या आंतरिक सुरक्षा में डटे रहे। बलिदान और कुर्बानी का जो जज्बा हमारे वीर सैन्य कर्मियों ने दिखाया, उसके लिए यह देश सदैव उनका ऋणी रहेगा।

हमारे सैनिकों ने देश ही नहीं, वरन् विदेशों में जो आपदा एवं युद्ध के समय अपनी सक्रिय भूमिका निभाई हैं। यही कारण है **UNITED NATION PEACE KEEPING FORCES** में भारतीय सेना की हमेशा मांग रहती है। यह सर्वविदित है कि जिस प्रकार भंवरा सब ओर से अपना ध्यान हटाकर फूलों पर मुग्ध रहता है, उसी प्रकार सैनिक भी सांसारिक एवं प्राकृतिक आर्कषणों से मुंह मोड़कर देश–प्रेम में ही लीन रहता है।...

... वह भारतीय सैनिक देश के करोड़ों लोगों के यौवन का प्रतीक है। सैनिक अपने देश–भक्ति में ओत–प्रोत होकर रक्त की अंतिम बूंद तक प्राणें को हथेली पर लिए शत्रु के प्रत्येक हमले को असफल करने के लिए हमेशा तैयार खड़ा रहता है। उसके रग–रग में मातृत्व का अगाध स्नेह दौड़ता है ।

हम सभी का दायित्व है कि हम अपने सैनिकों का आदर करें एवें शहीद सैन्यकर्मियों के परिजनों उनके जख्मों पर मरहम लगाने का प्रयास करें। शहीद के आश्रित को, उनका उचित अधिकार दिलाने हेतु प्रयासरत रहें। हमारे सैनिकों का मनोबल सदैव उच्च रहे, इस हेतु हर नागरिक को प्रयास करना चाहिये। इस बात से सभी अवगत होंगे कि जब हमारे सैनिक जागते हैं, तभी हम चैन से सो पाते हैं।

जय जवान! जय कियान! जय विज्ञान!

जय हिन्द !